प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2024-25

कक्षा–**12**

संस्कृत– केवल प्रश्नपत्र

समय–तीन घण्टे, 15 मिनट पूर्णांक–100

निर्देश– प्रारम्भ के पन्द्रह मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

प्र01. निम्नलिखित गद्यखण्ड पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **2X5=10**

सा तु समुत्थाय महाश्वेतां स्नेहनिर्भरं कण्ठे जग्राह। महाश्वेतापि दृढतरदत्तकण्ठग्रहा, ताम् अवादीत्–''सखि कादम्बरि, भारते वर्षे राजा तारापीडो नाम। तस्यायम् आत्मजः चन्द्रापीडो नाम दिग्विजयप्रसङ्गेन अनुगतो भूमिमिमाम्। एष च दर्शनात् प्रभृति मे निष्कारणबन्धुतां गतः। कथिता चास्य बहुप्रकारं प्रियसखी।

(i) उपर्युक्त गद्यांश किस पुस्तक से लिया गया है?

(ii) का महाश्वेतां स्नेहनिर्भरं कण्ठे जग्राह?

(iii) ''सखि कादम्बरि, भारते वर्षे राजा तारापीडो नाम'' रेखांकित अंश का अनुवाद कीजिए।

(iv) 'भारते' में कौन–सी विभक्ति है?

(v) 'आत्मजः' का शाब्दिक अर्थ लिखिए।

अथवा

कादम्बरीवर्जम् अशेषः कन्यकाजनः तं व्रजन्तम् आबहिस्तोरणात् अनुवव्राज। निवृत्ते च कन्यकाजने, चन्द्रापीडः केयूरकेण उपनीतं वाजिनम् आरुह्य, गन्धर्वकुमारैः तैः अनुगम्यमानः, हेमकूटात् निर्गत्य, प्राप्य महाश्वेताश्रमम्, अच्छोदसरस्तीरे सन्निविष्टम्, इन्द्रायुधखुरपुटानुसारेणैव आगतम् आत्मनः स्कन्धावारम् अपश्यत्। निवर्तिताशेषकुमारश्च, सानन्देन सकुतूहलेन सविस्मयेन च स्कन्धावारजनेन प्रणम्यमानः स्वभवनं विवेश।

(i) अस्य गद्यांशस्य प्रणेता कः?

(ii) व्रजन्तं चन्द्रापीडम् आबहिस्तोरणात् कः अनुवव्राज?

(iii) 'वाजिनम्' का शाब्दिक अर्थ लिखिए।

(iv) 'निर्गत्य' में कौन–सा प्रत्यय है?

(v) 'प्राप्य महाश्वेताश्रमम्' रेखांकित अंश का अनुवाद कीजिए।

प्र02. अपनी पाठ्यपुस्तक के आधार पर किसी एक पात्र का हिन्दी में चरित्र–चित्रण कीजिए–
(अधिकतम 100 शब्द) 4

(i)महाश्वेता (ii) वैशम्पायन (iii) चन्द्रापीड

प्र03. बाणभट्ट की गद्यशैली की संक्षेप में हिन्दी अथवा संस्कृत में विवेचना कीजिए।
(अधिकतम 100 शब्द) 4

प्र04. (अ) केयूरकः कः आसीत्? 1

(i) कादम्बर्याः सेवकः (ii) कादम्बर्याः भ्राता

(iii) कादम्बर्याः पिता (iv) महाश्वेतायाः भ्राता

(आ) कादम्बर्याः माता का आसीत्? 1

(i) पत्रलेखा (ii) मदलेखा

(iii) मदिरा (iv) विलासवती

प्र05. अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की हिन्दी में सन्दर्भसहित व्याख्या कीजिए– 2+5=7

(अ) एकातपत्रं जगतः प्रभुत्वं, नवं वयः कान्तमिदं वपुश्च।
अल्पस्य हेतोर्बहु हातुमिच्छन् विचारमूढः प्रतिभासि मे त्वम्।।

(आ) तस्मिन् क्षणे पालयितुः प्रजानाम् उत्पश्यतः सिंहनिपातमुग्रम्।
अवाङ्मुखस्योपरि पुष्पवृष्टिः पपात विद्याधरहस्तमुक्ता।।

प्र06. अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की सन्दर्भ सहित संस्कृत में व्याख्या कीजिए– 2+5=7

(अ) स त्वं मदीयेन शरीरवृत्तिं देहेन निर्वर्तयितुं प्रसीद।
दिनावसानोत्सुकबालवत्सा विसृज्यतां धेनुरियं महर्षेः।

(आ) भूतानुकम्पा तव चेदियं गौरेका भवेत्स्वस्तिमती त्वदन्ते।
जीवन्पुनः शश्वदुपप्लवेभ्यः प्रजाः प्रजानाथ पितेव पासि।।

प्र07. कालिदास की काव्यशैली पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम 100 शब्द) 4

प्र08. (अ) इक्ष्वाकुवंशे समुत्पन्नः बभूव ––––

(i) दिलीपः (ii) अजः

(iii) रघुः (iv) सर्वे 1

(आ) नन्दिनी कस्य धेनुः आसीत् ?

(i) वशिष्ठस्य (ii) दिलीपस्य

(iii) विश्वामित्रस्य (iv) कण्वस्य 1

प्र09. अधोलिखित में से किसी एक अंश की हिन्दी में सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 2+5=7

(अ) रम्यान्तरः कमलिनीहरितैः सरोभिश्छायाद्रुमैर्नियमितार्कमयूखतापः।
भूयात् कुशेशयरजोमृदुरेणुरस्याः शान्तानुकूलपवनश्च शिवश्च पन्थाः।।

(आ) अर्थो हि कन्या परकीय एव तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतुः।
जातो ममायं विशदः प्रकामं प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा।।

www.evidyarthi.in

प्र010. निम्नलिखित में से किसी एक सूक्ति की सन्दर्भ सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए– 2+5=7

(i) न खलु धीमतां कश्चिदविषयो नाम।

(ii) ओदकान्तं स्निग्धो जनोऽनुगन्तव्यः।

(iii) अतिस्नेहः पापशंकी।

प्र011. कालिदास का जीवन परिचय संक्षेप में लिखिए। (अधिकतम 100 शब्द) 4

प्र012. (अ) 'मालविकाग्निमित्रम्' किसकी रचना है–

(i) कालिदास	(ii) भवभूति
(iii) भास	(iv) शूद्रक

1

(आ) शकुन्तलायै शापं कः अददात् ?

(i) कण्वः	(ii) दुर्वासाः
(iii) गौतमी	(iv) प्रियंवदा

1

प्र013. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 10 पंक्तियों का संस्कृत में निबन्ध लिखिए। 10

(i) स्वच्छताभियानम्	(ii) पर्यावरण सुरक्षा
(iii) आचारः परमो धर्मः	(iv) श्रम एवं विजयते

प्र014. 'रूपक' अलंकार की परिभाषा हिन्दी या संस्कृत में लिखिए। 2

अथवा

'उपमा' अलंकार का उदाहरण संस्कृत में लिखिए।

प्र015. निम्नलिखित में से किन्हीं चार वाक्यों का अनुवाद कीजिए– 2x4=8

(i) कृष्ण के दोनों ओर गोप हैं।

(ii) कृष्ण के चारों ओर गोप हैं।

(iii) पुत्र के साथ पिता जाता है।

(iv) नदी कोस भर टेढ़ी है।

(v) विष्णु को नमस्कार है।

(vi) गाँव के पास नदी बहती है।

प्र016. (अ) अधोलिखित रेखांकित पदों में से किसी एक में नियम–निर्देश का उल्लेख कीजिए। 2

(i) <u>विप्राय</u> गां ददाति। (ii) <u>चौराद्</u> बिभेति। (iii) <u>कटे</u> आस्ते।

(आ) '<u>हरये</u> रोचते भक्तिः' में रेखांकित पद मे कौन–सी विभक्ति है। 1

(i) चतुर्थी (ii) पंचमी (iii) षष्ठी (iv) सप्तमी

प्र017. (अ) निम्नलिखित पदों में से किसी एक में विग्रह कीजिए– 2

(i) उपकृष्णम्   (ii) पंचवटी   (iii) रामकृष्णौ

(आ) 'यथाशक्ति' में प्रयुक्त समास का नाम हैं– 1

(i) द्वन्द्वः   (ii) द्विगु:   (iii) अव्ययीभावः   (iv) कर्मधारयः

प्र018. (अ) 'सज्जनः' का सन्धि–विधायक सूत्र लिखिए। 2

(आ) 'सच्चित्' का सन्धि विच्छेद है– 1

(i) सत् + चित्   (ii) सच् + चित्   (iii) सच्चि +त्   (iv) स+ च्चित्

प्र019.(अ) 'वारिणा' पद 'वारि' प्रातिपादिक के किस विभक्ति एवं वचन का रूप है? 2

(आ) 'नाम्ने' पद 'नामन्' प्रातिपादिक के किस विभक्ति एवं वचन का रूप है? 1

(i) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

(ii) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(iii) चतुर्थी विभक्ति, द्विवचन

(iv) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

प्र020. (अ) 'नयामि' क्रियापद का पुरुष और वचन लिखिए। 2

(आ) 'दा' धातु के लोट् लकार, उत्तम पुरुष, एकवचन का रूप होगा– 1

(i) ददामि   (ii) ददाव   (iii) ददानि   (iv) ददातु

प्र021. (अ) 'पीत्वा' पद में प्रयुक्त प्रकृति एवं प्रत्यय बताइये। 2

(आ) 'भू' धातु में तुमुन् प्रत्यय लगाने पर शब्द बनेगा– 1

(i) भूतम्   (ii) भवितुम्   (iii) भवितव्यम्   (iv) भूत्वा

प्र022. अधोलिखित वाक्यों में से किसी एक का वाच्य–परिवर्तन कीजिए– 2

(i) रमा पत्रं लिखति।

(ii) तेन हस्यते।

(iii) सः रामायणं पठति।

www.evidyarthi.in